CODE: 35T HIST

(EN/AS/BN/BD)

2025

HISTORY

Full Marks: 80

Pass Marks: 24

Time: Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

Q. No. 1 carries 1 mark each	1×8 = 8
Q. No. 2 carries 2 marks each	2×8 = 16
Q. No. 3 carries 4 marks each	4×8 = 32
Q. No. 4 carries 6 marks each	6×3 = 18
Q. No. 5 carries 6 marks each	6×1 = 6
	Total = 80

- 1. Answer the following questions : (any eight) 1×8=
 নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহৰ উত্তৰ দিয়া ঃ (যিকোনো আঠটা)
 - नित्साक श्रम्भक्षनित छेन्द्र पां १ (रय-कारना वार्वि) गाहायनि सोंनायफोरनि फिननाय लिर : (मोनदाइननि)
 - (i) Who is known as the 'Father of Indian Archaeology'?
 কোনজন ব্যক্তিক 'ভাৰতীয় প্ৰত্নতত্ত্বৰ জনক' বুলি জনা যায়?
 'ভারতীয় প্ৰত্নতত্ত্বের জনক' বলে কে পরিচিত ?
 'सोरखौ भारतिन गोदोमिनारि (Archaeology) बिफा बुंनाय जायो?

 - (iii) Who composed the Allahabad Pillar Inscription?

 जनाश्चाम स्टिलिश काल बहना किबिह्न?

 जनाश्चाम स्टिलिश कि तहना किबिह्न ?

 एलाहाबाद खाम्फा हांखोखौ सोर रनसायदोंमोन?
 - (iv) Where was Buddha born?

 বুদ্ধদেৱৰ জন্ম ক'ত হৈছিল?

 বুদ্ধদেৱের জন্ম কোথায় হয়েছিল?

 बुद्धदेबा बबेयाव जोनोम जादोंमोन?

- (v) During whose reign Chinese traveller Hieu-Yen-Chang visited Assam?

 কোনজন শাসকৰ শাসনকালত চীনা পৰিব্ৰাজক হিউৱেন চাঙে অসম ভ্ৰমণ কৰিছিল?

 কার শাসনকালে চীনা পরিব্রাজক হিউয়েন-সাং আসামে ভ্ৰমণ করেছিলেন ?

 सोर खुंगिरिनि समाव चीना दावबायारि हिउवेन चां आ आसामाव फैदोंमोन ?
- (vi) Who was the first prince of Assam to revolt against the British?

 বৃটিছৰ বিৰুদ্ধে বিদ্রোহ কৰা অসমৰ প্রথমজন ৰাজকোঁৱৰ কোন আছিল?

 বিটিশদের বিরুদ্ধে বিদ্রোহ করা আসামের প্রথম রাজা কে ছিলেন ?

 ब्रिटिसनि हेंथाये जुजिनाय आसामनि गिबिसिन राजखुंगुरिन मुङा मा ?
- (vii) Who authored 'Rihla'? 'बिट्टा'ब लেখक কোন? 'तिट्ला'-त लেখक कে? रिहलानि लिरगिरिया सोर?
- (viii) Who started the Virashaiva Tradition in Karnataka?
 কোনে কৰ্ণাটকৰ বীৰশৈৱ পৰম্পৰাৰ আৰম্ভ কৰিছিল?
 কৰ্ণাটকে বীরশৈব পরম্পরা কে আরম্ভ করেছিল ?
 কর্নাटকনি बিरसैब दोरोङारि सोर जागायदोंमोन ?
- (ix) Name the best-known woman poet of the Bhakti tradition.

 ভক্তি পৰম্পৰাৰ সকলোতকৈ প্ৰসিদ্ধ মহিলা কবিগৰাকীৰ নাম লিখা।

 ভক্তি পরম্পরার সবথেকে পরিচিত মহিলা কবির নাম লেখো।

 सिबिथाय दोरोङारिनि बयनिखुइबो मुंदांखासिन आयजो खन्थाइगिरि मुं लिर।

- (x) What is Bell of Arms?
 অস্ত্ৰাগাৰ কি?
 অস্ত্ৰাগার কি ?
 हाथियार भान्दार (बारिब्र) मा ?
- (xi) Name the leader of Vietnam War.
 ভিয়েটনাম যুদ্ধৰ নেতাজনৰ নাম লিখা।
 ভিয়েতনামের যুদ্ধনেতার নাম লেখো।
 भियेतनाम दावहानि दैदेनगिरिनि मुं लिर।
- (xii) Which country has the longest written Constitution?
 কোনখন দেশৰ সংবিধান দীৰ্ঘতম লিখিত সংবিধান?
 কোন্ দেশের সংবিধান দীৰ্ঘতম লিখিত সংবিধান ?

 बबे मोनसे हादरिन संबिजिदआ गोलावसिन लिरनाय संबिजिद ?

2×8=1

- 2. Answer the following questions in brief: (any eight)
 তলৰ প্ৰশ্নসমূহৰ চমু উত্তৰ দিয়াঃ (যিকোনো আঠটা)
 নীচের প্ৰশ্নগুলির সংক্ষিপ্ত উত্তর দাওঃ (যে-কোনো আটটি)
 सुंदयै फिननाय लिर: (जायखिजाया मोनदाइन)
 - (i) Name any two important sites of Harappan Civilization.

 হৰপ্পা সভ্যতাৰ যিকোনো দুখন স্থানৰ নাম লিখা।

 হরপ্পা সভ্যতার যে-কোনো দুটি স্থানের নাম লেখো।

 हरप्पा सोदोमस्त्रिनि जायखिजाया मोननै जायगानि मं लिर।

- (ii) What were the two settlements of the Harappan Civilization?
 হৰগ্গা সভ্যতাৰ দুটা জনবসতি কি কি?
 হরগ্গা সভ্যতার দুটি জনবসতি কি কি ?
 हरप्पा सोदोमस्त्रिनि मोननै सुबुं थाथाय मा मा ?
- (iii) Write any two vows of Jain monks and nuns.

 জৈন ভিক্ষু-ভিক্ষুণীসকলৰ পালনীয় যিকোনো দুটা অঙ্গীকাৰ লিখা।

 জৈন সন্ন্যাসী-সন্ন্যাসীনিদের পালনীয় যে-কোনো দুটি অঙ্গীকার লেখো।

 जैन भिक्षु भिक्षुनिफोरा लानाय जायखिजाया मोननै समाय खिरा लिर।
- (iv) Name two cities of ancient Assam.

 श्रीति অসমৰ দুখন নগৰৰ নাম লিখা।

 श्रीति আসামের দুটি শহরের নাম লেখো।

 गोदोनि आसामनि नोगोर मोननैनि मुं लिर।
- (v) Name two important 'Tantra Sastra' of ancient Assam.
 প্রাচীন অসমৰ দুখন 'গুৰুত্বপূর্ণ তন্ত্রশাস্ত্র'ৰ নাম লিখা।
 প্রাচীন আসামের দুটি গুরুত্বপূর্ণ 'তন্ত্রশাস্ত্রে'র নাম লেখো।

 गोदोनि आसामनि गोनांथार गांनै तन्त्रसास्त्रनि मुं लिर।
- (vi) What, according to the historians, were the two categories of Bhakti traditions?

 ইতিহাসবিদসকলৰ মতে ভক্তি পৰম্পৰাৰ মূল ভাগ দুটা কি কি?

 ঐতিহাসিকদের মতে ভক্তি পরম্পরার মূল ভাগ দুটি কি কি?

 जारिमिनगिरिफोरिन बादिब्ला सिबिथाय दोरोङारिन गुबै बाहागो मोननैया मा मा ?

- (vii) Who discovered the ruins at Hampi and when?

 श्रान्त्री চহৰৰ ধ্বংসাৱশেষ কোনে কেতিয়া আৱিষ্কাৰ কৰিছিল?

 शिन्त्र শহরের ধৃংসাবশেষ কে করে আবিষ্কার করেছিল?

 हामिप नोगोरखौ सोर आरो माब्ला दिहुनिफनदोंमोन?
- (viii) Name any two types of land under Akbar.

 আকবৰৰ অধীনত যিকোনো দুই প্ৰকাৰৰ ভূমিৰ নাম লিখা।

 আকবরের অধীনস্থ যে-কোনো দুই প্ৰকারের ভূমির নাম লেখো।

 आकबरिन सिङाव जायिखजाया मोननै रोखोमिन हानि मुं लिर।

 - (x) What were Northern Black Polished ware?
 উত্তৰাঞ্চলৰ ক'লা পলিচ দিয়া শিল্প সম্ভাৰ কি?
 উত্তরাঞ্চলের কালো পালিশ দেওয়া শিল্প সম্ভার কি?

 साहा ओनसोलनि गोसोम पलिस दारिमिना मा ?

Contd.

- 3. Answer the following questions: (any eight)
 তলৰ প্ৰশ্নসমূহৰ উত্তৰ লিখাঃ (যিকোনো আঠটা)
 নীচের প্ৰশ্নগুলির উত্তর লেখোঃ (যে-কোনো আটটি)
 गাहायनि सोंनायफोरनि फिननाय लिर: (मोनदाइननि)
 - (i) Explain why the Harappan Civilization is called an urban civilization?

 रवश्रा সভ্যতাক নগৰীয়া সভ্যতা বুলি কিয় কোৱা হয় ব্যাখ্যা কৰা।

 रतश्रा সভ্যতাকে নাগরিক সভ্যতা কেন বলা হয় ব্যাখ্যা করো।

 हरणा सोदोमस्त्रिखौ मानो नोगोरारि सोदोमस्त्र बुनाय जायो फोरमाय।
 - (ii) Which 'smriti' laid down the duties of the Chandals? What were the duties of a Chandal according to the text?

 কোনখন 'স্মৃতি শাস্ত্র'ই চণ্ডালসকলৰ কর্তব্য নির্দ্ধাৰণ কৰিছিল ? চণ্ডালসকলৰ কর্তব্যসমূহ কি কি আছিল?

 কোন 'স্মৃতি শাস্ত্র' চণ্ডালদের কর্তব্য নির্ধারণ করে দিয়েছিল ? চণ্ডালদের কর্তব্যসমূহ কি কি ছিল ?

मा बिसम्बि आ सान्दालफोरनि मावफारि (बिबान) थि खालामदोंमोन? सान्दालफोरनि मावनांगौ बिबानफोरा मा मा?

(iii) Discuss the causes of the rise of Magadha.

মগধৰ উত্থানৰ কাৰণসমূহ আলোচনা কৰা।

মগধের উত্থানের কারণসমূহ আলোচনা করো।

मगधिन जाखांफुनायिन जाहोनफोरखौ सावराय।

- (iv) Write a note on the Buddhist texts.

 (तोष्क भाखन्मगृद्ध विषया धि होका निया।

 (तोष्क भाखनमृद् मन्भर्क धकि होका लिए।।

 बौद्ध बिजाबफोरिन सोमोन्दै मोनसे लिरसुंथाय लिए।
- (v) Discuss about the Paik system under the Ahoms.
 আহোম শাসন ব্যৱস্থাৰ পাইক প্ৰথাৰ বিষয়ে আলোচনা কৰা।
 আহোম শাসন ব্যবস্থায় পাইক প্ৰথা সম্পৰ্কে আলোচনা করো।
 आहम खुंथायनि पाइक खान्थिनि सोमोन्दे सावराय।
- (vi) What did Bernier state regarding land ownership in India?
 ভাৰতত মাটিৰ মালিকীস্বত্বৰ বিষয়ে বাৰ্ণিয়াৰে কি মত প্ৰকাশ কৰিছিল?
 ভাৰতে জমির মালিকানাস্বত্ব সম্পর্কে বার্নিয়ার রাজ্য কি মত প্রকাশ করেছিল?
 भारतिन हानि बिगोमिन मोनथायिन सोमोन्दै बार्नियारा मा बुंदोंमोन?
- (vii) Write briefly about the popular practice of Islam.

 रेष्ट्रलाभ धर्मब জनश्चिय़ बीजिनीजिब विषया प्रमूरिक लिथा।

 रेम्नलाभ धर्मित जनश्चिय़ त्रीजिनीजि मन्भर्क मः एक्स्ट्रिश (ल्राया)।

 इसलाम घोरोमनि मुंदांखा आसार खान्थिनि सोमोन्दै सुंदयै लिर।
- (viii) Discuss the role of the Zamindars in Mughal period.
 মোগল যুগত জমিদাৰসকলৰ ভূমিকা সম্পর্কে আলোচনা করা।
 মুঘল যুগের জমিদারদের ভূমিকা সম্পর্কে আলোচনা করো।

 मुगल मुगानि हा बिगोमाफोरनि (जिमदार) बिफाविन सोमोन्दै सावराय।

(ix) What arguments were put forward by the members of the Constituent Assembly in favour of a strong Central Government?

সংবিধান সভাৰ সদস্যসকলে এখন শক্তিশালী কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ সপক্ষে কি কি যুক্তি দাঙি ধৰিছিল?

সংবিধান সভার সদস্যগণ একটি শক্তিশালী কেন্দ্রীয় সরকারের সপক্ষে কি কি যুক্তি তুলে ধরেছিল ?

संबिजिद आफादिन सोद्रोमाफोरा गोहो गोरा मिरु सरकार दानो मा मा जुक्ति होदोंमोन?

- (x) Write a note on the Santhals.

 हाँ ७ जान मन्त्र विषयः अपि हो को निया।

 गाँ ७ जान हम्म किर्म किरमुं थाय लिर।

 सावतालफोरिन सोमोन्दै मोनसे लिरसुंथाय लिर।
- (xi) Write a brief note on the Revolt of 1857.

 ১৮৫৭ খ্রীষ্টাব্দর বিদ্রোহন এটি চমু টোকা লিখা।

 ১৮৫৭ খ্রীষ্টাব্দের বিদ্রোহ সম্পর্কে একটি সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।

 1857 ख्रिष्टाब्दिन बिग्रायनायनि सायाव मोनसे सुंद लिखाइ लिए।
- (xii) Why was 'salt' destroyed by the colonial government? Why did Mahatma Gandhi consider the salt tax more oppressive than other taxes?

উপনিবেশিক চৰকাৰে 'নিমখ' কিয় ধ্বংস কৰিছিল? মহাত্মা গান্ধীয়ে নিমখ কৰ অন্য কৰতকৈ বেছি শাস্তিমূলক বুলি কিয় বিবেচনা কৰিছিল?

উপনিবেশিক সরকার 'লবণ' কেন ধ্বংস করেছিল ? মহাত্মা গান্ধী লবণ কর্কে অন্যান্য করের থেকে বেশি শাস্তিমূলক বলে কেন বিবেচনা করেছিলেন ?

गुबुन हादरारि फालांगियारि (फामुवारि) सरकारा "संख्रि" मानो फोजोबस्रांदोंमोन ? महत्मा गान्धीया संख्रि खाजोनाखौ मानो गुबुन खाजोनानिखुइ बांसिन साजा गोनांसिन होना बुंदोंमोन? (xiii) Describe briefly the Accounts of Assam by Shihabuddin Talish.

অসম সম্পর্কে চিহাবুদ্দিন তালিছেৰ টোকাৰ এটি চমু বিৱৰণ দিয়া।
আসাম সম্পর্কে শিহাবুদ্দিন তালিশের বিচার-বিবেচনার একটি সংক্ষিপ্ত বিবরণ দাও।
आसामनि सोमोन्दै सिहाबुद्दिन तालिसनि रेबदांथिनि सोमोन्दै मोनसे सुंद फोरमायथि लिर।

- (xiv) Discuss about the revolts of against the British during the first half of 19th century in Assam.
 - 19 শতিকাৰ আৰম্ভণিতে বৃটিছৰ বিৰুদ্ধে অসমত হোৱা বিদ্ৰোহসমূহৰ বিষয়ে আলোচনা কৰা।
 - 19 শতকের প্রারম্ভে ব্রিটিশের বিরুদ্ধে আসামে হওয়া বিদ্রোহসমূহের বিষয়ে আলোচনা করো।
 - 19 जोथायनि सिगां बाहागोआव ब्रितिसनि हेंथायै आसामाव जानाय बिग्रायनायफोरनि सोमोन्दै सावराय।
- 4. Read the given passages carefully and the questions that follow: $6\times3=18$

ज्लब পार्ग्गाश्मरवाब जानमर्त्व भाग जाक मःनश्च श्रश्नरवाबब উত্তब मिरा । नीराहत भार्ग्गाश्मश्चिन जात्ना करत भरण এवः मःनश्च श्रश्चश्चित উত্তর माउ । गाहायनि फराखौ मोजाङ फराय आरो सोनायफोरनि फिननाय लिर :

(a) How artefacts are identified?

Processing of food required grinding equipment as well as vessels for mixing, blending and cooking. There were made of stone, metal and terracotta. This is an excerpt from one of the earliest reports an excavations at Mohenjodaro, the best-known Harappan site:

Saddle querns...are found in considerable numbers... and they seem to have been the only means in use for grinding cereals. As a rule, they were roughly made of hard, gritty, igneous rock or sandstone and mostly show signs of hard usage. As their bases are usually convex, they must have been set in the earth or in mud to prevent their rocking. Two main types have been found: those on which another smaller stone was pushed or rolled to and fro, and others with which a second stone was used as a pounder, eventually making a large cavity in the nether stone. Querns of the former type were probably used solely for grain: the second type possibly only for pounding herbs and spices for making curries. In fact, stones of this latter type are dubbed "curry stones" by our workmen and our cook asked for the loan of one from museum for use in the kitchen.

(From Ernest Mackay, 'Further Excavations at Mohenjo-daro, 1937).

Questions:

- (i) What was the equipment used for grinding cereals? 1
- (ii) What were the materials used for making grinding equipment?
- (iii) What were the types of grinding equipment? How were they used?

দৈনন্দিন জীৱনত ব্যৱহৃত হস্তনিৰ্মিত সা-সঁজুলিবোৰ কিদৰে চিনাক্ত কৰা হয়?

খাদ্য প্ৰস্তুতকৰণ প্ৰণালীৰ প্ৰাথমিক কাৰ্যবিধিৰ বাবে খুন্দনা তথা গুড়ি কথা সঁজুলিৰ লগতে বাৰে-মিহলি সংমিশ্ৰণ, মিশ্ৰিতকৰণ আৰু ৰন্ধনৰ বাবে পাত্ৰৰ প্ৰয়োজন। হৰপ্পাত শিল, ধাতু

আৰু পোৰা মাটিৰে এনে সঁজুলি আৰু পাত্ৰ সজা হৈছিল। এই সংক্ৰান্তত হৰপ্পীয় সভ্যতাৰ আটাইতকৈ জনা-শুনা ঠাই মহেনজোদাৰোত সংঘটিত খনন কাৰ্য সম্বন্ধীয় এক বিৱৰণীৰ উদ্ধৃতি তলত সন্নিবিষ্ট কৰা হৈছে—

…বহু সংখ্যক জাঁতৰ আৱিষ্কাৰে এইটোৱে সূচায় যে বীজ শস্য গুড়ি কৰিবলৈ এইবিধেই আছিল একমাত্ৰ সঁজুলি। নিয়মানুসৰি এইবোৰ নিৰ্মিত হৈছিল কঠিন, অমসৃণ আগ্নেয়শিলা (জুই তেলত তলত গলিত লাভা গোট মাৰি হোৱা শিল) বা জলীয় শিলৰ দ্বাৰা। জাঁতবোৰ সজোৰে আৰু ৰুঢ়ভাৱে ব্যৱহৃত হোৱাৰ স্পষ্ট ইন্দিত পোৱা গৈছিল। সাধাৰণতে, জাঁতবোৰ দুবাপিঠীয়া হোৱা বাবে ইয়াৰ হেন্দোলনি বন্ধ কৰিবলৈ নিশ্চয় মাটি বা বোকাত ইয়াৰ্ক দৃঢ়ভাৱে স্থাপন কৰি লোৱা হৈছিল। জাঁতবোৰ আছিল প্ৰধানতঃ দুই প্ৰকাৰৰ—কিছুমানত আন এটা ক্ষুদ্ৰাকৃতিৰ শিল অগা-পিছাকৈ খেলি আৰু বগৰাই বগৰাই বস্তু পিহাৰ হৈছিল আৰু আনটো ক্ষেত্ৰত বস্তু থেতেলা বা গুড়ি কৰিবলৈ দ্বিতীয় এটা শিল ব্যৱহাৰ কৰিছিল। ইয়াৰ ফলত জাঁতৰ নিম্ন ভাগৰ ভূ-পৃষ্ঠত সৃষ্টি হৈছিল এটা ডাঙৰ গাঁত। প্ৰথমবিধ জাঁত সম্ভৱতঃ কেবল বীজশস্যৰ বাবে ব্যৱহৃত হৈছিল আৰু দ্বিতীয় বিধৰ ব্যৱহাৰ আছিল বনৌষধি বা শাক-পাত থেতেলিবলৈ বা ৰন্ধা-বঢ়াৰ বাবে মচলা আদি পিহাতেই সীমাবদ্ধ। দৰাচলতে, দ্বিতীয়বিধ জাঁতত ব্যৱহাৰ কৰা শিল টুকুৰাক আমাৰ বনুৱাসকলে 'আঞ্জাৰ মচলা গুড়ি কৰা শিল' নাম দিছিল আৰু ৰান্ধনিয়ে ইয়াক যাদুঘৰৰ পৰা ধাৰে নি ৰান্ধনি ঘৰত ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ কুতুৰিছিল।

(আর্নেষ্ট মেকিৰ 'Further Excavations at Mohenjo-daro, 1937' ৰ পৰা লোৱা হৈছে।)

প্রশাসমূহ ঃ

|--|

(ii) শস্য গুড়ি কৰা সঁজুলি প্ৰস্তুত কৰিবলৈ কি ব্যৱহাৰ কৰিছিল?

1

(iii) শস্য গুড়ি কৰা সঁজুলি কি কি প্ৰকাৰৰ? এইবোৰ কেনেকৈ ব্যৱহাৰ কৰা হৈছিল?

1+2=3

দৈনন্দিন জীবনে ব্যবহৃত হস্তনির্মিত শিল্পকর্মগুলি কিভাবে শনাক্ত করা হয়?

খাদ্য প্রস্তুতকরণ প্রণালীর প্রাথমিক কার্যবিধির জন্য চূর্ণ তথা গুড়ো করা যন্ত্রের সঙ্গে ভালো করে সংমিশ্রণ, মিশ্রিতকরণ এবং রন্ধনের জন্য পাত্রের প্রয়োজন। হরপ্পাতে পাথর, ধাতু এবং পোড়া মাটি দিয়ে এই ধরণের সরঞ্জাম এবং পাত্র বানানো হয়েছিল। এই সংক্রান্ত হরপ্পীয় সভ্যতার সব থেকে পরিচিত স্থান মহেঞ্জোদারোতে সংঘটিত খনন কার্য সম্বন্ধীয় একটি বিবরণের উদ্বৃতি নীচে সন্নিবিষ্ট করা হয়েছে—

... বহু সংখ্যক যাঁতার আবিষ্কার এইটিই প্রমাণ করে যে বীজ শস্য গুড়ো করার জন্য এগুলিই ছিল একমাত্র সরঞ্জাম। নিয়মানুসারে এগুলি নিমির্ত হুয়েছিল কঠিন, অমসৃণ আগ্নেয়শিলা বা বেলেপাথর দ্বারা। যাঁতাগুলি সজোরে এবং রুঢ়ভাবে ব্যবহৃত হওয়ার স্পষ্ট ইদিত পাওয়া গিয়েছিল। যাঁতাগুলি বৃত্তবং ক্রমােরত তলবিশিষ্ট হওয়ার জন্য এবং প্রবলভাবে আলােড়ন বন্ধ করার জন্য নিশ্চয় মাটি বা কর্দমায় এটিকে দৃঢ়ভাবে স্থাপন করে নেওয়া হয়েছিল। যাঁতাগুলি ছিল প্রধানতঃ দৃই প্রকারের— কতকগুলিতে অন্য একটি ক্ষুদ্রাকৃতির পাথর আগু-পিছু করে ঠেলে এবং গড়িয়ে গড়িয়ে বস্তু পেষা হয়েছিল এবং অন্য ক্ষেত্রে বস্তু থ্যাতলা বা গুড়ো করার জন্য দ্বিতীয় একটি পাথর ব্যবহার করা হয়েছিল। এর ফলে যাঁতার নিম্নভাগের ভূ-পৃষ্ঠে সৃষ্টি হয়েছিল একটি বড় গর্ত। প্রথম প্রকারের যাঁতা সম্ভবতঃ কেবল বীজ শস্যের জন্য ব্যবহাত হয়েছিল এবং দ্বিতীয় প্রকারের ব্যবহার ছিল বনৌষধি বা শাক্রপাতা পেষার জন্য বা রন্ধনের জন্য মশলা ইত্যাদি পেষাতেই সীমাবদ্ধ। মােট কথা, দ্বিতীয় প্রকার যাঁতা ব্যবহার করা পাথর টুকরাকে আমাদের কারিগরেরা 'সবজির মশলা গুড়ো করা শিল' নাম দিয়েছিল এবং রাঁধুনি সেটি মিউজিয়াম থেকে ধার নিয়ে রায়াঘরে ব্যবহার করে নিয়েছিল। (আর্নেষ্ট মেকির 'Further Excavations at Mohenjo-daro, 1937'-এর থেকে নেওয়া হয়েছে)

প্রশাসমূহ ঃ

|--|

- (ii) শস্য গুড়ো করার সরঞ্জাম প্রস্তুত করার জন্য কি ব্যবহার করেছিল ? 2
- (iii) শস্য গুড়ো করার সরঞ্জাম কি কি প্রকারের ? এগুলি কিভাবে ব্যবহার করা হয়েছিল ?

सानफ्रोमबोनि जिउआव बाहायनाय आखायजों दानाय आयजें आयलाफोरखो माबोरै सिनायनाय जायो—

आदार बानायनो थाखाय संग्रा आयजेंनि गोनांथि जादोंमोन। संग्रा आयजेंफोरखौ अन्थाइ ताम एबा सावनाय हानिफ्राय बानायोमोन। गोबां थावनियावनो खब्नि एबा उवाल मोननाय जादों। वे आयजेंफोरखौ विसोर गोरा मुर्वा वेगर लोगोसे मसला आरि देनायाव बाहायोमोन।

आदार बानायनाय राहानि गुदि खामानिनि थाखाय होखेमग्रा एबा गुन्दै थानाय आगजुजों लोगोसे गलाय-देरनायनि गलाय गथाय खालामनाय आरो संनायनि थाखाय आयजेंनि गोनांथि जायो। हरण्यायाव अन्थाइ, धातु आरो सावनाय हाजों बिबदि आयजें आरो दो दोखोल दानाय जादोंमोन। बे बेलायाव हरण्यायारि सोदोमिस्रिनि बयनिखुइ रोंखा राखा थाविन महेनजदारोआव मावनाय जानाय खामानिनि सोमोन्दै मोनसे फोरमायथायिन बिबुंथिखों गाहायाव होनाय जाबाय—

गोवां अनिजमा अन्थाइ हुग्रा आगजु संदिहुननाया बेखोनो दिन्थियो दि आबाद बेगर गुन्दे खालामनो बेनो मोनसेल आगजु। खान्थिवादिये बेफोरखो बानायनाय जादोंमोन गोरा, स्लिमनङ अरगें अन्थाइ (अरिन थाविन अन्थाइ) एवा लाव लाव अन्थाइजों। अन्थाइ हुग्रा आगजुफोरा बोलोहोना, आरो गोराये बाहायनायिन रोखा हसारा मोननो हादोंमोन। सरासनस्राये अन्थाइ हुग्रा आयजेंफोरा बायजोफासे दुलुर एवा दबनाय आरो बिखो दिन्दाङ लोर सोर मावनायिनफ्राय हाब्रुआव फजनाय जायो। अन्थाइ हुग्रा आगजुफोरा गुबैये मोनने रोखोमिन मोन-माखासेफोराव गुब्रुन मोनसे फिसा महरिन अन्थाइ उन-आवगाये नारहरना सोहरनाय जादोंमोनआरो गुबुनखो मुवा नारथ्रोदनो एबा गुन्दै खालामनो नैथि मोनसे अन्थाइ बाहायनाय जादोंमोन। बेनि थाखाय अन्थाइ हुग्रा आगजुनि गाहाय बाहागोनि हा बाहागोआव सोमजिदोंमोन मोनसे गिदिर हाखर। गिबि रोखोम अन्थाइ हुग्रा आगजुआ जागौ फिथाइबेगरिन थाखायल बाहाय जादोंमोनआरो नैथि रोखोमनि बाहायथाया जादोंमोन हाग्रानि मुलि एबा मैगं-मैला बिलाइ देनो एबा संनाय खावनायिन थाखाय मसला बायदि देनायवनो थादोंमोन। वुंनो-थाङोब्ला नैथि रोखोम अन्थाइ हुग्रा आयजें बाहायनाय अन्थाइ थुखाखो जोंनि मावदांसाफोरा ओंखिन मसला देनाय अन्थाइ मुं दोनदोंमोन आरो ओंखाम संग्राया बेखो जादु निफ्राय दाहार लांना-ओंखाम संग्रा नआव बाहायैनो बियोमोन।

आर्नेस मोफिनि 'Farther Excavations at Mohenjo-daro, 1937'

- (i) आबादित बेगर गुन्दै खालामनो मा आयर्जे बाहानाय जायो?
- (ii) आबादिन बेगर गुन्दै खालामनाय आयर्जे दानो मा बाहायदोंमोन?

1

(iii) आबाद गुन्दै खालामनाय आयजेंफोरा मा मा रोखोमनि ? बेफोरखो माबादि बाहायनाय जादोंमोन ? 1+2=3

(b) Ibn Battuta's account of Delhi:

The city of Delhi covers a wide area and has a large population...The rampart around the city without parallel.

The breadth of its wall is eleven cubits; and inside it are houses for night sentry and gate-keepers. Inside the ramparts, there are storehouses for storing edibles, magazines, ammunition, ballistas and siege machines. The grains that are stored (if there ramparts) can last for a long time, without rotting... In the interior of the rampart, horsemen as well as infantrymen move from one end of the city to another. The rampart is pierced through by windows which open on the side of the city, and it is through these windows that light enters inside. The lower part of the rampart is built of stone; the upper part of Brichs. It has many towers close to one another. There are twenty eight gates of this city which are called darwaza, of there, the Budaun Darwaza is the greatest; inside the Mandui Darwaza there is a grain market...It (the city of Delhi) has a fine cemetery in which graves have domes over them, and those that do not have a dome, have an arch, for sure. In the cemetery they sow flowers such as tuberose, jasmine, wild rose etc; and flowers blossom there in all seasons.

30 / HIST [15] Contd.

Questions:

- (i) How many gates were there in the city of Delhi? Name the greatest gate.
- (ii) Give a brief description of the ramparts of Delhi as described by Ibn Battuta.
- (iii) How was the cemetery of Delhi? 2
 ইবনবটতাৰ বৰ্ণনাৰ দিল্লী—

বৃহৎ জনসংখ্যাৰে দিল্লী নগৰখনে এক বিস্তৃত অঞ্চল জুৰি আছিল। চহৰখন অসমান পকাৰ প্ৰাচীৰেৰে বেৰি আছিল। প্ৰাচীৰসমূহ বহলে ১১ ফুট আছিল। ইয়াৰ ভিতৰফালে দুৱাৰ ৰখীয়া আৰু ৰাতিৰ পহৰাদাৰৰ ঘৰ আছিল। দুৰ্গৰ ভিতৰত খোৱাৰ বস্তু, গুলী-বাৰুদ, ক্ষেপণাস্ত্ৰ আৰু দুৰ্গ আক্ৰমণৰ যন্ত্ৰপাতিৰ ভবাঁল আছিল। এই গঁড়ৰ ভিতৰত ৰখা খাদ্য দ্ৰব্যসমূহ বহুদিন নপচাকৈ আছিল। দুৰ্গটোৰ ভিতৰত অশ্বাৰোহী আৰু পদাতিক সৈন্যই নগৰখনৰ ইমূৰৰ পৰা সিমূৰলৈ ঘূৰি ফুৰিছিল। প্ৰাচীৰসমূহ খিৰিকীযুক্ত আছিল, নগৰফালেৰ খোলা খিৰিকীৰে ভিতৰখন পোহৰাই ৰাখিছিল। বেৰসমূহৰ তলৰ অংশ শিল আৰু ওপৰ অংশ ইটাৰে নিৰ্মিত। ওচৰা-ওচৰিকৈ ভালেমান গম্বুজ আছিল। তাত ২৮ খন প্ৰৱেশ্বাৰ আছিল, এইবোৰক দৰৱাজা বুলি কোৱা হৈছিল। ইয়াৰে আটাইতকৈ ডাঙৰ দৰৱাজাখন আছিল বুন্দন দৰৱাজা। মান্দী দৰৱাজাৰ ভিতৰত এখন শস্যৰ বজাৰ আছিল। ...দিল্লী চহৰত এখন সুন্দৰ কৱৰস্থান আছিল। প্ৰতিটো কৱৰৰ ওপৰত একোটা গোলাকৃতি স্তম্ভ নিৰ্মাণ কৰা হৈছিল। কৱৰস্থানখনত তেওঁলোকে ৰজনীগন্ধা, গোলাপ, জেচমিন, বনৰীয়া গোলাপ আদি ফুলৰুইছিল আৰু গোটেই বছৰজুৰি এই ফুলবোঁৰ ফুলি আছিল।

প্রশাসমূহ ঃ

- (i) দিল্লী চহৰত কেইখন প্ৰৱেশদ্বাৰ আছিল? আটাইতকৈ ডাঙৰ প্ৰৱেশদ্বাৰখনৰ নাম কি আছিল?
- (ii) ইবন বটুতাৰ দৃষ্টিৰে দিল্লীৰ দুৰ্গবোৰৰ এটি বৰ্ণনা দিয়া।
- (iii) দিল্লীৰ ক্বৰস্থানখন কেনেকুৱা আছিল?

ইবনবতুতার বর্ণনায় দিল্লী—

বৃহৎ জনসংখ্যায় দিল্লী নগর একটি বিস্তৃত অঞ্চল জুড়ে ছিল। শহরটি অসমান পাকা প্রাচীর দিয়ে ঘেরা ছিল। প্রাচীরগুলি প্রস্থে ১১ ফুট ছিল। এর ভিতর দিকে দারোয়ান এবং রাত্রির পাহারাদারের ঘর ছিল। দুর্গের ভিতরে খাওয়ার জিনিস, গুলি-বারুদ, ক্ষেপণাস্ত্র এবং দুর্গ আক্রমণের যন্ত্রপাতির ভাণ্ডার ছিল। এই ঘরের ভিতরে রাখা খাদ্য দ্রব্যসমূহ বহুদিন না পচে থাকতো। দুর্গটির ভিতরে থাকা অশ্বারোহী এবং পদাতিক সৈন্য নগরের এমাথা থেকে ওমাথা পর্যন্ত ঘুরে বেড়িয়েছিল। প্রাচীরগুলি খিড়কীযুক্ত ছিল। নগরের দিকের খোলা খিড়কী দিয়ে ভিতরটা আলোকিত হয়ে থাকতো। দেওয়ালের নীচের অংশ পাথর এবং উপরের অংশ ইটের তৈরি। সামনা-সামনি বেশ কিছু গম্বুজ ছিল। সেটিতে ২৮টি প্রবেশদার ছিল, এগুলিকে দরওয়াজা বলা হত। এর মধ্যে সব থেকে বড় দরওয়াজাটি ছিল বুন্দন দরওয়াজা। মান্দী দরওয়াজের ভিতরে একটি শস্যের বাজর ছিল। দিল্লী শহরে একটি সুন্দর কবরস্থান ছিল। প্রতিটি কবরের উপরে একটি গোলাকৃতি স্তম্ভ নির্মাণ করা হয়েছিল। কবরস্থানে তারা রজনীগন্ধা, গোলাপ, জেসমিন, বন্য গোলাপ ইত্যাদি ফুল রোপন করেছিল এবং সমস্ত বছর ধরে এই ফুলগুলি ফুটে থাকতো।

প্রশাসমূহ ঃ

- (i) দিল্লী শহরে কটি প্রবেশদার ছিল ? সব থেকে বড় প্রবেশ দারটির নাম কি ছিল ? 1+1=2
- (ii) ইবন বতুতার দৃষ্টিতে দিল্লীর দুর্গগুলির একটি বর্ণনা দাও। 2
- (iii) দিল্লীর কবরস্থানটি কিরকম ছিল ?

इबन बतुतानि दिल्ली

दिल्ली नोगोरा मोनसे गुवार जायगा आवग्निनानै लादोंमोन आरो बेयाव गोबां सुबुं अनिजमा दङमोन। बै समाव नोगोरखौ सोरिगिदिं आवग्निनानै दोननाय दुर्ग (Rampart) आ गुबुनजों रुजुजायैमोन। बिनि इन्जुरआ 11 मु (cubit) गुवारमोन, बिनि सिङावनो दङमोन हरिन समाव फहेरा होग्रा (Night Sentry) आरो दरजा नेग्रा (gate keeper) फोरिन थाखाय थाग्रा न'। दुर्गिन सिङाव जाग्रा मुवा बुथुमनानै दोननो थाखाय बाख्नि, खार बारुद (Magazines) आरो दावहानि आयजें आयला (ammunitions) दोनग्रा, आरो लोगोसे कामान एबा बेरग्रा अस्त्र (Ballistas) आरो गुबुन जायगाफोरखौ गाग्लोबनाय

समाव बाहायग्रा गुबुन अस्त्रफोर दोनग्रा बाख्रिबो दङमोन। दुर्गनि सिङाव बुथुमनानै दोननाय जाग्रा मुवानि बेगर (grains) फोरा सेवा एबा गाज़ि जायालासे गोबाव सान जोरनाय बादि दोननाय जायोमोन। दुर्गनि सिङाव गराय-दावहारु (Horseman) आरो आथें दावहारु (Infantry) फोरा नोगोरनि गालफारसेनिफ्राय गुबुन मोनसेसिम थांलाय फैलाय खालामबाय थायोमोन। दुर्गनि सिङाव खिरखि (Window) नि थाखायलसो गुदुं दोननाय जायोमोन आरो बे खिरखिफोरखौ नोगोरिन सिंजोंसो खेवनो हायोमोन आरो बे खिरखिफोरजोंनो दुर्गनि सिङाव स्रां जायोमोन। दर्गनि गाहायनि बाहागोखौ अन्थाइजों आरो गोजौनि बाहागोखौ इथाजों बानायनाय जादोंमोन। बे दुर्गआव गोबांथार गुम्बुज (Tower) फोर दङमोन जायफोरखौ मोनसेनिफ्राय गुबुन मोनसेनि इसे खाथि खाथियावनो बानायनाय जादोंमोन। बे नोगोरहा गासै 28 हाबग्रा दरजाफोर दङमोन बेफोरखी दरवाजा बुंनाय जायोमोन। बिनि गेजेराव बुदाउन दरवाजा (Budaun Darwaza) यानो गेदेरसिन मोन; मान्दवी दरवाजा (Mandal Darwaza) नि सिंथिंजाय जाग्रामुवानि बेगरफोर फानग्रा हाथायसालि दङमोन। गुल दरवाजा (Gul Darwaza) नि खाथियावनो दङमोन मोनसे फिथाइ सामथायनि बारि। दिल्ली नोगोराव गंसे समायना मांखरसालि दङ्मोन जेराव मांखरफोरनि सायाव दुलुर उखुम (Dome) फोर दङमोन आरो जामफोरनि सायाव दुलुर उखुम गैया बे मांखरफोरनि सायाव सायमारा एबा इसे दबनाय गोनां उखुम ब्लाबो नुनो मोनथारनाय जायोमोन। मांखरसालियाव रजनिगन्धा, जेसमिन, हाग्रानि गलाप आरो बायदि बायदि बिबारनि विफांफोर गायना दोनोमोन आरो बोसोरनि गार्से समावनो बेयाव बिबारफोरा बारवाय थायोमोन।

- (i) दिल्ली नोगोराव गंबेसे हाबग्रा दरजा दङमोन? बयनिखुइबो गेदेरसिम हाबग्रा दरजानि मुङा मा ? 1+1=2
- (ii) इबन बुततानि नोजोरजों दिल्ली दुर्गफोरनि मोनसे फोरमायिथ हो। 2
- (iii) दिल्लीनि मांखरसालिया माबादि मोन ?
- (c) "The real minorities are the masses of this country."

Welcoming the objectives Resolution introduced by Jawaharlal Nehru, N. G. Ranga said: Sir, there is a lot of talk about minorities. Who are the real minorities? Not the Hindus in the so-called Pakistan provinces, not the sikhs, not even the Muslims. No, the real minorities are the masses of this

country. There people are so depressed and oppressed and suppressed till now that they are not able to take advantage of the ordinary civil rights. What is the position? You go to the tribal areas. According to law, their own traditional law, their tribal law, their lands cannot be alienated. Yet our merchants go there, and in the so-called free market they are able to snatch their lands. Thus, even though the law goes against this snatching away of their lands, still the merchants are able to turn the tribal people into veritable slaves by various kinds of bonds, and make them hereditary bond-slaves. Let us go to the ordinary villages. There goes the money-lender with his money and he is able to get the villages in his pocket. There is the landlord himself, the zamindar, and the malguzar and there are various other people who are able to exploit there villages. There is no elementary education even among the people. These are the real minorities that need-protection and assurances of protection. In order to give them the necessary protection, we will need much more than this Resolution.

Questions:

(i) Who are according to N. G. Ranga the real minorities?

(ii) Why are they the real minorities?

(iii) Why to they need protection?

"প্ৰকৃত সংখ্যালঘু এইসকল জনসাধাৰণ।"

জৱাহৰলাল নেহৰুৱে উত্থাপন কৰা উদ্দেশ্যমূলক প্ৰস্তাৱটোক আদৰণি জনাই এন.জি. ৰাঙ্গাই কৈছিল, ''ছাৰ, সংখ্যালঘূৰ বিষয়ে বহুতো কথা-বতৰা হ'ল। প্ৰকৃত সংখ্যালঘূ

কোন ? তথাকথিত পাকিস্তান প্ৰদেশৰ হিন্দুসকল, শিখসকল আনকি মুছলীমসকলো নহয়, প্ৰকৃত সংখ্যালঘু হ'ল দেশখনৰ জনসাধাৰণ। এই মানুহখিনি এতিয়ালৈকে অৱহেলিত আৰু নিষ্পেষিত আৰু অৱদমিত লোক। সেইবাবে সাধাৰণ সামাজিক অধিকাৰৰ সুবিধাখিনিত গ্ৰহণ কৰিবলৈ সমৰ্থ নহয়, অৱস্থাটো কেনেকুৱা ? তুমি জনজাতি অঞ্চললৈ যোৱা—আইনমতে তেওঁলোকৰ নিজ পৰস্পৰাগত নিয়ম-কানুন, তেওঁলোকৰ জনজাতীয় আইন আৰু তেওঁলোকৰ মাটিও তেওঁলোকৰ পৰা বিচ্ছিন্ন কৰি নিব নোৱাৰে। তথাপি আমাৰ সদাগৰসকল এই জনজাতি এলেকাসমূহলৈ গৈ মুকলি বজাৰৰ নামত তেওঁলোকৰ মাটি কাঢ়ি লয়। এইদৰে যদিও তেওঁলোকৰ মাটি কাটি লোৱাটে আইনবিৰোধী, এতিয়াও বেপাৰীসকলে জনজাতীয় লোকসকলক বিভিন্ন প্ৰকাৰৰ চুক্তিপত্ৰৰ যোগেদি বেলেগ বেলেগ ধৰণৰ দাস হিচাবে ব্যৱহাৰ কৰি আছে আৰু এইটো বংশানুক্ৰমে চুক্তিবদ্ধ দাসত্বলৈ ৰূপান্তৰিত কৰিছে। এতিয়া আমি সাধাৰণ গাওঁবাসীৰ ওচৰলৈ যাঁও — তালৈ টকা ধাৰে দিয়া লোকসকলে জেপত টকা লৈ যায় আৰু গাওঁবাসীক তেওঁলোকৰ জেপৰ ভিতৰত ৰাখিবলৈ সক্ষম হয়। তাত স্বয়ন্তু মাটিৰ মালিক, জমিদাৰ আৰু মালগুজাৰ লগতে বেলেগ বেলেগ প্ৰকাৰৰ লোকসকল আছে, যিসকলে এই দুখীয়া গাওঁবাসীক শোষণ কৰিবলৈ সমৰ্থ হৈছে। তাতে এই মানুহবিলাকৰ আনকি প্ৰাথমিক শিক্ষাও নাই। এওঁলোকেই প্ৰকৃত সংখ্যালঘ যিসকলক সুৰক্ষা আৰু সুৰক্ষাৰ বাবে আশ্বাসৰ দৰকাৰ। তেওঁলোকক আৱশ্যকীয় সুৰক্ষা দিৱৰ কাৰণে আমাৰ এই প্ৰস্তাৱটোতকৈ বহুত বেছি কৰ্মপন্থাৰ দৰকাৰ।"

প্রশ্নসমূহ ঃ

(i)	এন. জি. ৰাঙ্গাৰ মতে প্ৰকৃত সংখ্যালঘূ কোন?	1
(ii)	তেওঁলোক কিয় প্রকৃত সংখ্যালঘূ?	3
(iii)	তেওঁলোকক কিয় সুৰক্ষাৰ প্ৰয়োজন ?	2

"প্রকৃত সংখ্যালঘু হল এই দেশের জনসাধারণগণ।"

জওহরলাল নেহের দ্বারা উত্থাপিত উদ্দেশ্যমূলক প্রস্তাবটিকে অভিনন্দন জানিয়ে এন. জি. রাঙ্গা বলেছিলেন, "স্যার, সংখ্যালঘুর বিষয়ে অনেক কথা-বার্তা আছে। প্রকৃত সংখ্যালঘু কে ? তথাকথিত পাকিস্তান প্রদেশের হিন্দুগণ, শিখগণ এমনকি মুসলমানগণও নয়, প্রকৃত সংখ্যালঘু হল দেশের জনসাধারণ। এই মানুযেরা এখন পর্যন্ত অবহেলিত এবং নিপ্পেষিত ও অবদমিত লোক। সেজন্য সাধারণ সামাজিক অধিকারের সুবিধাটুকুও গ্রহণ করতে সমর্থ নয়, অবস্থাটি কি ধরনের ? তুমি জনজাতি অঞ্চলে যাও — আইনমতে তাদের নিজের পরম্পরাগত নিয়মকানুন, তাদের জনজাতীয় আইন এবং তাদের জমিও তাদের কাছ থেকে বিচ্ছিন্ন করে নিতে পারে না। তথাপি আমাদের সদাগরেরা এই জনজাতি এলেকাগুলিতে গিয়ে মুক্ত বাজারের নামে তাদের জমি কেড়ে নেয়। এইভাবে তাদের জমি কেড়ে নেওয়া যদিও আইনবিরোধী, এখনও ব্যবসায়ীরা জনজাতীয় লোকেদের বিভিন্ন প্রকারের চুক্তিপত্রের মাধ্যমে ভিন্ন ধরনের দাস হিসাবে ব্যবহার করে আসছে এবং এটি বংশানুক্রম চুক্তিবদ্ধ দাসত্বে রূপাতরিত করেছে। এখন আমরা সাধারণ গ্রামবাসীরে কাছে যাই — যেখানে টাকা ধার দেওয়া লোকেরা পকেটে টাকা নিয়ে যায় এবং গ্রামবাসীদের তাদের পকেটে রাখতে সক্ষম হয়। সেখানে স্বয়্রভু জমির মালিক, জমিদার এবং মালগুজারের সঙ্গে তন্যান্য ভিন্ন প্রকারের লোকেরা আছে, যারা এই দরিদ্র গ্রামবাসীদের শোষণ করতে সমর্থ হয়েছে। সেখানে এই লোকেদের এমনকি প্রাথমিক শিক্ষাটুকুও নাই। এরাই প্রকৃত সংখ্যালঘু যাদের সুরক্ষা এবং সুরক্ষার জন্য আশ্বাসের দরকার। তাদের আবশ্যকীয় সুরক্ষা দেওয়ার জন্য আমাদের এই প্রস্তাবিট থেকে অনেক বেশি কর্মপন্থার দরকার।"

প্রশাসমূহ ঃ

(i)	এন. জি. রাঙ্গার মতে প্রকৃত সংখ্যালঘু কে ?		1
(ii)	তারা কেন প্রকৃত সংখ্যালঘু ?		. 3
(iii)	তাদের কেন সুরক্ষা প্রয়োজন ?		2
''गुबैर	यै उन गोग्लै सोना थानाय सुबुंफोर'':		

जवाहरलाल नेहेरुआ देखांनाय बिथांखिफोरखों मान होनाने एन.जि.रांगाया बुंदोंमोन। 'सार' उन गोग्लैसोना (खम-सानखोनि) थानायफोरिन सायाव गोबां सावरायनाय जाबाय। गुबैये खम एबा बाङाइ सानखोनि सोर ? सरासनस्ता पाकिस्तान हादरिन हिन्दुफोरा, सिखफोर, अदेबानि मुसलिमफोराबो नङा। थार बाङाइ सानखोआ हादरिन सुबुंआसो। बेखिनि सुबुङा दासिमबो नेवसिजानाय, गादबजानाय सोबखजानाय सुबुं। बेनिखायनो साधारण समाजारि मोनथायखिनिखोबो आजावनो हायि जायो। थासारिया माबादि ? नों जनजाति ओनसोल-

सिम थां — खान्थिबादिये बिसोरहा गाविन आसार खान्थि, बिसोरिन जनजातीय आयेन आरो विसोरिन हायाव बिसोरिनफ्राय गोजानाव लांखिनो हाया। थेवबो जोंनि फालांगिरिफोरा बै जनजाति ओनसोलिसम थांनानै उदां हाथायिन मुङाव बिसोरिन हाफोरखो सेना लायो। बेबादि बिसोरिन हा सेनानै लानाया आयेन बेरेखा, दाबो फालांगिरिफोरा नायिदिसना रोखोमिन सुिकतिन गेजेरजों गुबुन गुबुन दाम होनानै बाहायबाय थादों आरो बेयो फोलेरिन उनिफोराबो विदिनो मानिनानै लानांगों जादों। दानिया जों साधारण गामियारि सुबुंफोरिन खाथिसम थांनि — रां दाहार होनाय सुबुंफोरा गोबां बिबांनि रां लाङो आरो गामियारि सुबुंफोरखों गाविन पकेताव लाखिनो हायो। बेयाव गाव हानि मालिक जिमदारजोंनो गुबुन गुबुन रोखोमिन मानिसफोर थायो। जायफोरा निखाउरि गामियारि सुबुंफोरखौ सोबखनो हादों। गुदियावनो बे गामियारि सुबुंफोरिन गुदि सोलोंथायाखि नियाबो गैया। बिसोरनो थार बिथिङाव खम सानखो एवा उन गोग्लौसोना थानाय सुबुं जायफोरनो नांगौ रैखाथि आरो रैखाथिनि थाखाय नांगौ फोथायिथ। बिसोरनो नांगौ रोखोमिन रैखाथि होनो जोंनि बे विथांखि निखुइ आरोबाव बांसिन हाबाफारि लानांगोन।

- (i) एन. जि. रांगानि बादिब्ला थारै खम सानखो (Minorities) आ सोर ? 1
- (ii) बिसोर मानो थार बिथिंङाव खम सानखो (Minorities)?
- (iii) बिसोरनो मानो रैखाथिनि गोनां थि दङ ?
- 5. (i) Draw a map of India and locate any three important centers of Revolt of 1857.

ভাৰতৰ এখন মানচিত্ৰ অংকন কৰি ১৮৫৭ চনৰ বিদ্ৰোহ হোৱা *যিকোনো তিনিখন* উল্লেখযোগ্য কেন্দ্ৰ চিহ্নিত কৰা।

ভারতের একটি মানচিত্র অঙ্কন করে ১৮৫৭ সালের বিদ্রোহ হওয়া *যে-কোনো তিনটি* উল্লেখযোগ্য কেন্দ্র চিহ্নিত করো।

भारत हादरिन मानसावगारि आखिनानै 1857 मायथाइनि जांख्रिथायिन जायखिजाया मोनथाम मुंखजाथाव मिरुनि सिनायथि हो।

Or / নাইবা / অথবা / एबा

(ii) Draw a map of India and locate any three great Mahajanapadas. 3+3=6

ভাৰতৰ এখন মানচিত্ৰ অংকন কৰি *যিকোনো তিনিখন* প্ৰধান মহাজনপদৰ অৱস্থান চিহ্নিত কৰা।

ভারতের একটি মানচিত্র অঙ্কন করে *যে-কোনো তিনটি* প্রধান মহাজন পদের অবস্থান চিহ্নিত করো।

भारतिन मनिसावगारि आखिनानै जायखिजाया दोंथाम गाहाइ महाजनपदिन याथायिन सिनायिथ हो।

[23]